



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 17, 1983 (अग्रहायण 26, 1905)
No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 17, 1983 (AGRAHAYANA 26, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विविध निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक
केन्द्रीय कार्यालय,
केन्द्रीय ऋण अनुभाग,
बम्बई दिनांक 17 दिसम्बर 1983

30 सितम्बर, 1983 को भारत सरकार रुपया ऋण कार्यालय, भारतीय स्टेट बैंक, लंदन की वृद्धियों में वकाया और भारत में पुनः अंतरित राशि की कटौती के अन्तर्गत लंदन में ब्याज की अदायगी के लिए सुव्याप्त सरकारी विचन-पत्रों का विवरण :—

विवरण	3 प्रतिशत परिवर्तन ऋण	3 प्रतिशत ऋण	जोड़
	1946	1996-97	

1	2	3	4
	रु०	रु०	रु०

31 मार्च, 1983

शेष . 4,46,700 2,300 4,49,000

1	2	3	4
जोड़िये	रु०	रु०	रु०
30 सितम्बर 1983 को समाप्त हुई छमाही के दौरान लंदन में सुव्याप्त की गयी राशि	—	—	—
घटाइय	रु०	रु०	रु०
लंदन के रजिस्ट्रारों में बढ़ते खाने डाली गयी राशि	—	—	—
30 सितम्बर 1983 को शेष	4,46,700	2,300	4,49,000

र० ना० पाडे
मुख्य लेखाकार

आ० एन० मुजुमदार
मुख्य लेखाकार

स्टेट बैंक आफ लावणकोर
(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)
प्रधान कार्यालय

त्रिवेन्द्रम, दिनांक 15 नवम्बर 1983

सूचना

सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक आफ लावणकोर के शेयरधारियों का रजिस्टर, शेयरों के अंतरण के लिए शनिवार, दिनांक 21 जनवरी से शनिवार, दिनांक 4 फरवरी, 1984 (दोनों दिनों को शामिल करके) तक बन्द किया जायेगा।

एन० सी० बानर्जी,
प्रबन्ध निदेशक

अनुसरण में महा निदेशक ने 20-11-1983 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा पंजाब कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1953 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ पंजाब राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात्

“जिला संगरूर में ग्राम संगरूर हदबस्त संख्या 23, उप्पली हदबस्त संख्या-7, रामनगर सिवियन हदबस्त संख्या 37 तथा सौहीद्या हदबस्त संख्या 39 के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

एच० के० अहूजा
निदेशक (योजना एवं विकास)

नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1983

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 18 नवम्बर, 1983

संख्या० एन० 15/13/11/3/82-यो० एवं वि० (1)—
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 5 के उप विनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महा निदेशक ने निम्नलिखित किया है कि निम्न अनुसूची में निर्दिष्ट क्षेत्रों में वर्ग “क”, “ख” तथा “ग” के लिए प्रथम अंशदान एवं प्रथम लाभ अवधियों नियत दिवस 19-11-1983 की मध्य रात्रि को बीमा योग्य रोजगार में लगे व्यक्तियों के लिए प्रारम्भिक समाप्त होगी जैसा कि निम्न सूची में दिया गया है:—

वर्ग	प्रथम अंशदान अवधि		प्रथम लाभ अवधि	
	जिस मध्य रात्रि को प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है	जिस मध्य रात्रि को प्रारंभ होती है	जिस मध्य रात्रि को समाप्त होती है
क.	19-11-83	28-1-84	18-8-84	27-10-84
ख.	19-11-83	31-3-84	18-8-84	29-12-84
ग.	19-11-83	26-11-83	18-8-84	25-8-84

अनुसूची :

पंजाब राज्य के—

“जिला संगरूर में ग्राम संगरूर हदबस्त संख्या 23, उप्पली हदबस्त संख्या-7, रामनगर, सिवियन हदबस्त संख्या 37, तथा सौहीद्या हदबस्त संख्या 39 के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

सं० एन०-15/13/11/3/82-यो० एवं वि० (2)—
कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य) विनियम 1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के

सं० यू-16(53)/2/83-खि०-2 (महाराष्ट्र)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महा निदेशक का निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महा निदेशक के आदेश सं० 1024(जी) दिनांक 29-5-83 द्वारा गे शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाते पर मैं इसके द्वारा शा० आर० एल० नरगिनाराय को बम्बई में कोलाबा क्षेत्र के लिए 700 रु० मासिक पारिश्रमिक पर 22-5-83 (पूर्वाह्न) से 21-5-84 तक एक वर्ष की अवधि के लिए या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें जो भी पहले हो बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

डा० के० एम० सक्सेना
चिकित्सा आयुक्त

सेन्ट्रल वेअर हाऊसिंग कारपोरेशन

(भारत सरकार का एक उपक्रम)

दिनांक 26 नवम्बर 1983

सं० 4—का० आ०—वेअरहाऊसिंग कारपोरेशन अधिनियम, 1962 (1962 का 58) की धारा 42 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सेन्ट्रल वेअरहाऊसिंग कारपोरेशन केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से एतद् द्वारा निम्नलिखित विनियमों को बनाते हुए सेन्ट्रल वेअरहाऊसिंग कारपोरेशन (स्टाफ) विनियम, 1966 में पुनः संशोधन करते हैं।

- (1) इन विनियमों को सेन्ट्रल वेअरहाऊसिंग कारपोरेशन (स्टाफ) चौथा संशोधन विनियम, 1983 कहा जाए।
- (2) ये विनियम सरकारी गजट में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. सैन्ट्रल वेअरहाऊसिंग कारपोरेशन (स्टाफ) विनियम, 1966 के विनियम 18 में, उप विनियम (6) के लिए निम्न-लिखित उपविनियम प्रतिस्थापित होंगे, अर्थात्:—

“(6) जांच अधिकारी के समक्ष अभियोग के समर्थन में मामला प्रस्तुत करने के लिए अनुशासनिक अधिकारी किसी व्यक्ति को नामित कर सकता है। कर्मचारी अपना मामला प्रस्तुत करने हेतु कारपोरेशन के किसी कर्मचारी की सहायता ले सकता है जो उस क्षेत्र से संबंधित हो जहां कथित घटना घटी है अथवा जहां जांच की जा रही है। लेकिन इसके लिए वह किसी वकील की नियुक्ति सब तक नहीं करेगा जब तक पूर्वोक्त कहे गए अनुशासनिक अधिकारी द्वारा नामित व्यक्ति वकील न हो अथवा जब तक अनुशासनिक अधिकारी मामले की परिस्थितियों को देखते हुए ऐसी स्वीकृति न दे।

परन्तु मुख्यालय के एक कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही होने पर उसे यह हक होगा कि वह अपना मामला मुख्यालय, अथवा क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली के किसी कर्मचारी की सहायता से प्रस्तुत करें।

नोट 1—कारपोरेशन का एक कर्मचारी किसी अन्य उस कर्मचारी की सहायता नहीं लेगा जिसके पास दो अनुशासनिक मामले लम्बित हैं जिसमें उसने सहायता देनी है।

नोट 2—इस विनियमों हेतु “क्षेत्र” से अभिप्राय उस स्थान से है जो किसी क्षेत्रीय कार्यालय के कार्य क्षेत्र में आता है।

नोट 3—इस विनियम के उद्देश्य हेतु, निर्माण सेल का एक कर्मचारी क्षेत्रीय कार्यालय का कर्मचारी समझा जाएगा जहां वह निर्माण सेल स्थित हो।

नोट :—पिछले संशोधनों के लिए कृपया देखें।

का० आ० संख्या 3465, दिनांक 23-9-1967 सं० 2032, दिनांक 31-5-68 संख्या 478, दिनांक 30-1-1969 सं० 3146 दिनांक 2-8-1969 सं० 3665, दिनांक 5-9-1969, संख्या 1652 दिनांक 25-4-70, संख्या 3242, दिनांक 20-11-1974, सं० 1395, दिनांक 9-4-1975, सं० 1553, दिनांक 19-4-75 सं० 3159, दिनांक 26-9-77, सं० 2355, दिनांक 4-8-78 संख्या 53, दिनांक 27-12-1978, संख्या 1397, दिनांक 12-4-1979, सं० 2531 दिनांक 2-7-79, संख्या 2577 11-9-1980, संख्या 837, दिनांक 20-2-1981, सं० 469, दिनांक 23-1-81 तथा 1323, दिनांक 22-4-1981।

फाईल सं० सी० डब्ल्यू० सी०/एक्स० व्ही०-1/एस्ट

बी० के० पार्थ सारथी,
प्रबन्धक कामिक
दि० 28-11-83

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1983

सं० रा० सं० वि० नि० 1-1/83-प्रशा०—निगम के प्रबन्ध मण्डल ने, रा० सं० वि० नि० सेवा विनियम, 1967 के

विनियम 7(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 9 मार्च, 1979 के भारत के राजपत्र सं० 9 के भाग III खंड 4 में दिनांक 16 फरवरी, 1979 की अधिसूचना सं० रा० सं० वि० नि० 1-1(III)/78-प्रशा० के अधीन प्रकाशित भर्ती नियमों में, नीचे लिखी सीमा तक, संशोधन का अनुमोदन किया है:—

1. सहायक निदेशक/क्षेत्र अधिकारी, उप निदेशक, निदेशक और मुख्य निदेशक के पदों के लिए “सीधी भर्ती के लिए शैक्षिक और अन्य योग्यताएं” (कालम 6) तथा “प्रतिनियुक्ति के मामले में अपेक्षाएं” (कालम 8) के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए:—

सीधी भर्ती के लिए शैक्षिक और अन्य योग्यताएं (कालम 6)	प्रतिनियुक्ति के मामले में अपेक्षाएं (कालम 8)
------------------------------------------------------	-----------------------------------------------

1

2

(क) सहायक निदेशक/
क्षेत्र अधिकारी —

आवश्यक :

इंजीनियरी की किसी एक शाखा में मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से डिग्री; या मान्यताप्राप्त संस्थान से चार्टर्ड एकाउंटेंट/कास्ट एकाउंटेंट; या एम० बी० ए०, या कला, विज्ञान, वाणिज्य या विधि में डिग्री, वित्ताय/विपणन संस्थानों में कृषि-उद्योग में कम से कम 2 वर्ष के योग्योत्तर अनुभव के साथ।

(ख) उप निदेशक

आवश्यक :

इंजीनियरी की किसी एक शाखा में मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से डिग्री; या मान्यताप्राप्त संस्थान से चार्टर्ड एकाउंटेंट/कास्ट एकाउंटेंट; या एम० बी० ए०, किसी विकास/ वित्तवायी संस्थान में परियोजना तैयार करने, मूल्यांकन और निष्पादन में व्यक्ति जो सीधी भर्ती की योग्यताएं रखते हैं और केन्द्रीय/राज्य सरकारों; अर्द्ध सरकारी सार्वजनिक उपक्रमों; सहकारी और निजी संस्थानों में पर्यवेक्षा की हैसियत से कार्य कर रहे हैं और जिन्हें कृषि-उद्योग में 7 वर्ष का अनुभव है।

1

2

या किसी कृषि-विधायन/विपणन संस्थान में विधायन/विपणन गतिविधि में सीधे कार्यकारी की हैसियत में 5 वर्ष के योग्योत्तर अनुभव के साथ

या

कला, विज्ञान, वाणिज्य या विधि में डिग्री, विस्तीय/विपणन संस्थान में कृषि-उद्योग में कम से कम 5 वर्ष के अनुभव के साथ ।

(ग) निदेशक

आवश्यक :

(1) इंजीनियरी की किसी एक शाखा में मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से डिग्री; या मान्यताप्राप्त संस्थान से चार्टर्ड एकाउंटेंट/कास्ट एकाउंटेंट या एम० बी० ए०, किसी विकास/वित्तदायी संस्थान में परियोजना तैयार करने, मूल्यांकन और निष्पादन में या किसी कृषि विधायन/विपणन संस्थान में विधायन/विपणन गतिविधि में सीधे कार्यकारी की हैसियत में 8 वर्ष के योग्योत्तर अनुभव के साथ ;

या

कला, विज्ञान, वाणिज्य या विधि में डिग्री, विस्तीय/विपणन संस्थानों में कृषि-उद्योग में कम से कम 10 वर्ष के अनुभव के साथ ।

(2) बांछनीय :

सहकारी प्रबन्धन, कृषि या ग्रामीण अर्थव्यवस्था का ज्ञान ।

1

2

(घ) मुख्य निदेशक

आवश्यक :

(1) इंजीनियरी की किसी एक शाखा में मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से डिग्री; या मान्यताप्राप्त संस्थान से चार्टर्ड एकाउंटेंट/कास्ट एकाउंटेंट या एम० बी० ए०, किसी विकास/वित्तदायी संस्थान में परियोजना तैयार करने, मूल्यांकन और निष्पादन में या किसी कृषि विधायन/विपणन संस्थान में विधायन/विपणन गतिविधि में सीधे प्रबंधकीय हैसियत में 15 वर्ष के योग्योत्तर अनुभव के साथ ।

या

कला, विज्ञान, वाणिज्य या विधि में डिग्री, विस्तीय/विकास/आर्थिक संस्थानों में कृषि-उद्योग में कम से कम 15 वर्ष के अनुभव के साथ ।

(2) बांछनीय :

सहकारी प्रबन्धन, कृषि या ग्रामीण अर्थव्यवस्था का ज्ञान ।

2. उक्त अधिसूचना के अंत में "नोट (4)" के नीचे निम्नलिखित "नोट (5)" को लगाएं :—

"अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में, शैक्षिक योग्यताओं के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित न्यूनतम प्रतिशत पर तब तक 5 प्रतिशत की छूट दी जायेगी ।"

2. उपरोक्त संशोधन 1 नवम्बर, 1983 से प्रभावी होंगे ।

रवि वीर गुप्ता
बन्ध निदेशक

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
CENTRAL DEBT SECTION
BOMBAY

Statement of Government Promissory Notes enfaced for payment of interest in London under deduction of amount re-transferred to India and outstanding in the books of the Indian Government Rupee Loans Office, State Bank of India, London on the 30th September, 1983.

Particulars	3 % Conversion Loan, 1946	3 % Loan, 1896-97	Total
Balance as on 31st March 1983	Rs. 4,46,700	2,300	4,49,000
<i>Add</i>			
Amount enfaced at London during the Half-year ended 30th September 1983	—	—	—
<i>Deduct</i>			
Amount written off in the London Registers	—	—	—
Balance as on 30th September 1983	Rs. 4,46,700	2,300	4,49,000

R.N. MAJUMDAR
Chief Accountant

STATE BANK OF TRAVANCORE
(Associate of the State Bank of India)

HEAD OFFICE : TRIVANDRUM

Trivandrum, the 15th November 1983

NOTICE

Notice is hereby given that the Register of Shareholders of State Bank of Travancore will remain closed for transfer of shares from Saturday the 21st January to Saturday the 4th February (both days inclusive).

N. C. BANERJEE
Managing Director

No. N. 15/13/3/82-P&D(2).—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A, of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 20th November, 1983 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Punjab Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1953, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Punjab namely :—

"Areas comprised within the revenue village Sangrur Had Bast No. 23, Uppli Had Bast No. 7, Ram Nagar Sibian Had Bast No. 37 and Sohoian Had Bast No. 39 in the District of Sangrur."

H. K. AHUJA
Director (Plg. & Dev.)

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 18th November 1983

No. N. 15/13/11/3/82-P&D(1).—In exercise of the powers conferred by sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has determined that in the areas specified in the Schedule given below the first contribution and first benefit periods for Sets A, B and C shall begin and end in respect of persons in insurable employment on the appointed day of midnight of 19-11-1983 as indicated in the table given below :—

Set	First contribution period		First benefit period	
	Begins on midnight of	Ends on midnight of	Begins on midnight of	Ends on midnight of
A	19-1-1983	28-1-1984	18-8-1984	27-10-1984
B	19-1-1983	31-3-1984	18-8-1984	29-12-1984
C	19-1-1983	26-11-1983	18-8-1984	25-8-1984

SCHEDULE

"Areas comprised within the revenue village Sangrur Had Bast No. 23, Uppli Had Bast No. 7, Ram Nagar Sibian Had Bast No. 37 and Sohoian Had Bast No. 39 in the District Sangrur, in the State of Punjab."

New Delhi, the 25th November 1983

No. U-16/(53)/2/83/Med.II.(Mah.).—In pursuance of the resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the E.S.I. (General Regulations, 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024 (G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. R. L. Narsing Rao to function as Medical Authority at a monthly remuneration of Rs. 700 with effect from 22-5-1983 (F.N.) for a further period of one year i.e. upto 21-5-1984 or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier for Colaba Area, Bombay for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

DR. K. M. SAXENA,
Medical Commissioner.

CENTRAL WAREHOUSING CORPORATION
(A GOVERNMENT OF INDIA UNDERTAKING)

The 26th November 1983

Notification No. 1/S.O.—In exercise of the powers conferred by Section 42 of the Warehousing Corporation Act, 1962 (58 of 1962), the Central Warehousing Corporation, with the previous sanction of the Central Government, herewith makes the

following regulations, further to amend the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1966, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Central Warehousing Corporation (Staff) (Fourth Amendment) Regulations, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Warehousing Corporation (Staff) Regulations, 1966 in regulation 18, for sub-regulation (6), the following sub-regulation shall be substituted, namely :—

“(6) The disciplinary authority may nominate any person to present the case in support of the charge before the inquiring authority. The employee may present his case with the assistance of any employee of the Corporation serving in the region in which the incident in question has occurred or where the inquiry is being held, but shall not engage a legal practitioner for the purpose unless the person nominated by the disciplinary authority as aforesaid is a legal practitioner or unless the disciplinary authority, having regard to the circumstances of the case, so permits.

Provided that in the event of disciplinary proceedings being against an employee of the Head Office, he shall be entitled to present his case with the assistance of any employee of the Head Office or of the Regional Office, Delhi.

Note 1.—An employee shall not take the assistance of any other employee of the Corporation who has two

pending disciplinary cases at hand in which he has to give assistance.

Note 2.—For purposes of these regulation, ‘region’ shall mean the territory over which, for the time being, a Regional Office of the Corporation exercises its jurisdiction.

Note 3.—For the purpose of this regulation, an employee of a Construction Cell shall be deemed to be an employee of the Regional Office in which the Construction Cell is situated.”

Note 4.—For earlier amendments please see :

S.O. Nos. 3465 dated 23-9-1967; No. 2032 dt. 31-5-1968,

No. 478 dt. 30-1-1969, No. 3146 dated 2-8-1969.

No. 3665 dated 5-9-1969; No. 1652 dated 25-4-1970.

No. 3242 dated 20-11-1974; No. 1395 dated 9-4-79.

No. 1553 dated 19-4-1975; No. 3159 dated 26-9-77.

No. 2355 dated 4-8-1978; No. 53 dated 27-12-1978.

No. 1397 dated 12-4-1979; No. 2531 dated 2-7-79.

No. 2577 dated 11-9-1980; No. 837 dated 20-2-1981.

No. 469 dated 23-1-1981; and No. 1323 dated 22-4-1981.

[File No. CWC/XV-I/Estt.]

V. K. PARTHASARATHY
Personnel Manager.
Dt. 28-11-1983.

NATIONAL COOPERATIVE DEVELOPMENT CORPORATION

New Delhi, the 22nd November 1983

No. NCDC. 1-1/83-Admn.—In exercise of the powers conferred by Regulation 7(a) of the NCDC Service Regulations, 1967, the Board of Management of the Corporation has approved amendments to the recruitment rules as published under Notification No. NCDC. 1-1(iii)/78-Admn. dated 16th February, 1979 in Part III-Section 4 of the Gazette of India No. 9 dated 3rd March, 1979 to the extent mentioned below :—

J. The ‘Educational and Other Qualifications for Direct Recruitment’ (Column 6) and ‘Requirements in case of Deputation’ (Column 8) for the posts of Assistant Director/Field Officer, Deputy Director, Director and Chief Director be substituted by the following :—

	Educational and Other Qualifications for Direct Recruitment (Column 6)	Requirements in case of Deputation (Column 8)
	1	2
(a) Assistant Director/Field Officer	<p>Essential :</p> <p>Degree from a recognised university or institution in any branches of Engg.; or Chartered Accountant/Cost Accountant from a recognised institution; or M.B.A. or Degree in Arts, Science, Commerce or Law with a minimum of 2 years post qualification experience in agro-industries in financial/marketing institutions.</p>	<p>Persons fulfilling the qualifications for direct recruitment and working in supervisory capacity in Central/State Governments; Semi Govt. Public Undertakings; Coop. and Private Institution, with 2 years experience in agro industries.</p>
(b) Deputy Director	<p>Essential :</p> <p>Degree from a recognised university or institution in any branches of Engg.; or Chartered Accountant/Cost Accountant from a recognised institution; or M.B.A. with 5 years post qualification experience in project formulation, appraisal and execution in a development/financing institution or in agro-processing/marketing institution in an executive capacity directly involved in processing/marketing activity, or Degree in Arts, Science, Commerce or Law with a minimum of 5 years experience in agro-industries in financial/marketing institutions.</p>	<p>Persons fulfilling the qualifications for direct recruitment and working in supervisory capacity in Central/State Governments; Semi Govt. Public Undertakings; Coop. and Private Institutions with 7 years experience in agro-industries.</p>

1

2

(c) Director

Essential :

(i) Degree from a recognised university or institution in any branches of Engg.; or Chartered Accountant/Cost Accountant from a recognised institution; or MBA with 8 years post qualification experience in project formulation, appraisal and execution in development/financing institution or in agro-processing/marketing institutions in an executive capacity directly involved in processing/marketing activity;

or

Degree in Arts, Science, Commerce or Law with a minimum of 10 years experience in agro-industries in financial/marketing institutions.

(ii) Desirable :

Knowledge of cooperative management, agriculture or rural economics.

Persons fulfilling the qualifications for direct recruitment and working in managerial capacity in Central/State Govts.; semi Govt.; public undertakings; Coop; and private institutions with 12 years experience in agro-industries.

(d) Chief Director

Essential :

(i) Degree from a recognised university or institution in any branches of Engg.; Chartered Accountant; Cost Accountant from a recognised institution or MBA with 15 years post qualification experience in project formulation, appraisal and execution in development/financing institution or in an agro-processing/marketing institution in managerial capacity directly involved in processing/marketing activity.

or

Degree in Arts, Science, Commerce or Law with a minimum of 15 years experience in agro-industries in financial/development/economic institutions.

(ii) Desirable :

Knowledge of cooperative management, agriculture or rural economics.

Officers holding class I posts in Central State and other departments or public undertakings fulfilling the requirements for direct recruitment with 15 years experience:

II. Add the following as "Note (v)" after "Note (iv)" at the end of the said notification.

"Relaxation of 5% marks will be made in the case of SC & ST candidates over the minimum percentage of marks in academic qualifications as may be prescribed by the competent authority."

2. The above amendments shall take effect from 1st November 1983.

R. V. GUPTA
Managing Director

THE BAR COUNCIL OF INDIA

New Delhi, the 18th November 1983

At the meeting of the Bar Council of India held on 3rd and 4th September, 1983, the following amendment has been made to Rule 5 Chapter III, Part VI of the Rules of the Council :—

Resolution No. 99/1983 :

Resolved that in lieu of Rule 5 in Chapter III, Part VI of the Rules of the Council the following rule be substituted :—

"Rule 5 (1).—An Advocate who voluntarily suspends his practice for any reason, whatsoever, shall intimate by registered post to the State Bar Council on the rolls of which his name is entered, of such suspension together with his certificate of enrolment in original.

(2) Whenever any such advocate who has suspended his practice desires to resume his practice, he shall apply to

the Secretary of the State Bar Council for resumption of practice, alongwith an affidavit stating whether he has incurred any of the disqualifications under section 24A, Chapter III of the Act during the period of suspension.

(3) The Enrolment Committee of the State Bar Council may order the resumption of his practice and return the certificate to him with necessary endorsement. If the Enrolment Committee is of the view that the Advocate has incurred any of the disqualification the Committee shall refer the matter under proviso to section 26(1) of the Act.

(4) On suspension and resumption of practice the Secretary shall act in terms of Rule 24 of part IX."

SHYAM MOHAN SRIVASTAVA,
Secretary,
Bar Council of India.

ADDENDA

No. 45 (Gen.)/83/P.W.D./6255—Add the following Wakf property in the Gazette of India, Part III Section 4 in continuation of the properties already published in the Gazette of India part III Section 4, October 3, 1970 (Asvina 11, 1892) of District

S. No.	(i)	(ii) Location of Wakf		(iii) Details of wakf properties			(iv)	(vi)	(viii)	(ix)	(x)	(xi)	(xv)
	Name of Wakfs	(a) Districts	(c) Village where situated	(a) Area	(b) Boundaries	(c) Value Rs.	Date of year of creation of wakfs	Gross receipt	Nature of objects of each wakf	Gross income of properties comprised in each wakfs	Amount of L.R., cess rates and taxes payable in respect of such property.	How the wakf is administered	Any other particulars (Remarks)
		(b) Tehsil	(d) Site on which situated				(v) Details of wakf deeds	(vii) Grants received			Expenses	(xiii) Name of Mutwali	
											(xiv) Pay or remuneration of Mutwali of each Wakf		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
1.	Madarsa Islamia	Karnal	Dachar	K M Kh. No.									
		Karnal		7-12	11/6								
				8-0	8	3 lakhs	Not known	—	Religious	—	—	Under the direct management of the Secretary Punjab Wakf Board, Ambala Cantt., as Ex-officio Mutwali.	—
				8-0	13		Not Known						
				6-2	27/9								
				5-14	165/8/1								
				8-0	139/20								
				32-17	331								
				out of	Ka								
					5223/								
				3-12	56573								
				40-7	331/1								
				2-12	332								
				4-7	335								
				13-6	336								
				7-13	340								
				16-14	340/1								
				3-15	342								
				71-10	331/2								
				7-7	333								
				1-14	334								
				6-6	337								
				2-17	338								
				26-4	339								
				4-15	341								
				0-9	619								
2.	Graveyard	Bhiwani	Palwas	5-0	231	10,000/-	Do.	—	Do.	—	—	Do.	—
		Bhiwani											
3.	Do.	Do.	Bhiwani Jan Paul II	6-2	141/27	10,000/-	Do.	—	Do.	—	—	Do.	—

4. Do.	Jind	Kalayat	11-4	478/1										
	Narwana		49-0	478	50,000/-	Do.	—	Do.	—	—		Do.	—	—
5. Do.	Kapur-thala	Sandher Jagir	10-0	46	15,000/-	Do.	—	Do.	—	—		Do.	—	—
	Kapur-thala	(110)												
6. Do.	Do.	Butala	5-7	38										
		(90)	5-18	56	20,000/-	Do.	—	Do.	—	—		Do.	—	—
7. Takia	Kapur-thala	Saroop-wal	48-8	2085	400,000/-	Do.	—	Do.	—	—		Do.	—	—
	Sultanpur Lodhi	181	85-3 109-17	2111 2111	Min Min									
8. Graveyard	Do.	Do.	47-6 23-5	1843 2117	144,000/-	Do.	—	Do.	—	—		Do.	—	—
9. Masjid	Jalandhar	Moh. Dhakvian Basti sheikh	1-3	A.P.E.A. No. W.S. 27	50,000/-	Do.	—	Do.	—	—		Do.	—	—
	Jalandhar													
10. Muslim Sarai	Do.	Jalandhar Cantt.	0-30 Ac.	Survey No. 283/2514	10,000/-	Do.	—	Do.	—	—		Do.	—	—
11. Takia Nizamuddin	Do.	Do.	3-15 Ac	Survey No. 259	50,000/-	Do.	—	Do.	—	—		Do.	—	—

Note :—

The above items are shown as ghiair Mumkin graveyard 'Madarsa Islamia', Takia, and Masjid in the Jamabandi, Hence it is Suni Wakf. It has been entered in Kitabulankaf and Register.

K. SHEIKH AHMED
Secretary
Punjab Wakf Board
Ambala Cantt.

PUNJAB UNIVERSITY

CHANDIGARH

No. 7-83/G.R.—The Central Government (Ministry of Education & Culture) have accorded approval vide their letter No. F. 15-4/83-Desk(U) dated 24-10-1983 to the following Regulations :—

1. Regulation 11.8 of the Chapter VI 'Conditions of Service of University Employees' at page 142 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :

11.8 Leave granted without pay shall no count towards gratuity except where such leave is counted towards increment under the University Rules.

2. Regulation 15.2 of the Chapter VI 'Conditions of Service of University Employees' at page 156 of the Calendar, Volume I, 1981, shall read as under :

15.2 An employee shall be governed by the new Regulations unless he opts to be governed by old Regulations within one year from the date the new Regulations come into force.

3. Regulation 2 for Doctor of Medicine (M.D.) examination at page 370 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

2. A person who fulfils the following requirements shall be eligible to appear in the examination :

- (a) has passed at least three years previously the examination—

- (i) for the degree of Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery of the Panjab University;

or

- (ii) for the degree of Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery of any other University recognised by the Medical Council of India and approved by the Syndicate of this University on the recommendation of the Faculty of Medical Sciences;

- (b) has worked, subsequent to passing the M.B.B.S. examination—

- (i) in a house job (internship or rotating house job shall not be considered) in a recognised hospital for at least one year out of which at least six months shall be in the subject selected for the M.D. course;

or

- (ii) in a hospital approved by the Medical Council of India for internship training for a period of three years;

or

- (iii) in State Medical Services, Armed Forces Medical Services or other equivalent service, for a period of five years.

Provided that a year's whole-time extra work by the candidate in the department as a post-graduate student shall be counted as equivalent to housemanship.

Provided further that a person who has worked as District Epidemiologist in the P. Falciparum Containment Programme (PFCP) for a period of one year shall be eligible to appear in the post-graduate examination in Social and Preventive Medicine.

4. Regulation 1.3 for Master of Dental Science (M.D.S.) examination at page 393 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

1.3 The parts I and II examinations shall be held twice a year in the months of May/June and November/December, on such dates as may be fixed by the Syndicate.

5. Regulation 2 for B.Sc. Nursing examination (3 years & 9 months internship) at page 449 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

2. A person who has passed one of the following examinations and has attained/shall attain the minimum age of 17 years on December 31 of the year of admission, shall be eligible to join the course.

- (a) Pre-Medical examination of the Panjab University,

or

- (b) an examination of another University recognised by the Syndicate as equivalent to (a).

6. Regulation 6.1 for M.Sc. Nursing examination at page 454 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

6.1 Every candidate shall be examined according to the syllabus approved by the Senate. He/she shall submit three copies of his/her Project Report/Thesis so as to reach the Registrar by the end of fourth semester examination. The Project Report/Thesis shall be examined by an external and an internal examiner appointed by the Syndicate. The viva voce shall also be conducted by both the examiners.

7. Regulation 8 for Bachelor of Laws (Semester System) examination at pages 307-308 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

8.1. Promotion from 1st to 2nd, 2nd to 3rd, 3rd to 4th, 4th to 5th and 5th to 6th semester shall be allowed to a student even if he fails to appear or qualify in the papers prescribed for the respective semester examination, provided that he fulfils the attendance and other requirements under the rules.

Provided that every candidate should qualify in all the papers prescribed for the 1st and 2nd semesters or 3rd and 4th semesters or 5th and 6th semesters, as the case may be within 3 years of joining the 1st or 3rd or 5th semester as the case may be.

8.2. A candidate who has exhausted all the chances of B.L./LL.B. in terms of Regulation 8.1 may re-appear as a late college student within 2 years of the exhaustion of his chances in such of the remaining papers of B.L./LL.B. which he had not been able to clear :

Provided that a candidate who would have been governed by this Regulation, had it been a part of Regulation 8.1, may also re-appear as a late college student within 2 years of the coming into force of this Regulation in such of the remaining papers of B.L./LL.B., which he has not been able to clear in terms of Regulation 8.1.

8. Regulation 2.1(B)(d) for Pre-University examination at pages 41-42 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

- (d) of having obtained at least 25 per cent marks in the aggregate of all the subjects to be calculated on the combined results of two house examinations—the first to be held in September and the second in November.

Explanation—The house examination shall have 100 marks in each subject.

9. Regulation 2(B)(ii)(2) for Pre-Medical examination at pages 48-49 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

- (2) of having obtained at least 25 per cent marks in the aggregate of all the subjects to be calculated on the combined results of two house examinations the first to be held in September and the second in November.

Explanation—The house examination shall have 100 marks in each subject.

10. Regulation 2(B)(i)(2) for Pre-Engineering at pages 54-55 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

- (2) of having obtained at least 25 per cent marks in the aggregate of all the subjects to be calculated on the combined results of *two house examinations—the first to be held in September and the second in November.*

Explanation—The house examination shall have 100 marks in each subject.

11. Regulation 3.1 (b) (iii) B.A./B.Sc. examination at pages 63-64 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

- (iii) of having obtained at least 25 per cent marks in the aggregate of all the subjects to be calculated on the combined results of *two house examinations—the first to be held in September and the second in November.*

Explanation—The house examination shall have 100 marks in each paper.

12. Regulation 3.1(b)(ii) for B.Com. examination at pages 264-265 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

- (ii) of having obtained at least 25 per cent marks in the aggregate of all the papers to be calculated on the combined results of *two house examinations—the first to be held in September and the second in November.*

Explanation—The house examination shall have 100 marks in each subject.

13.(a) Title and (b) Regulations 1, 8 and 13 for Bachelor of Science in Engineering examinations at pages 334-336 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

Bachelor of Engineering in Aeronautical, Chemical, Civil, Electrical, Electronics & Electrical Communication, Mechanical, Metallurgical, Production Engineering & Production Engineering (Sandwich).

(To come into force from the session 1974-75. These Regulations will apply to all the classes).

1. The duration of the course of instruction for *Bachelor of Engineering* degree in any of the disciplines will be 4 years except for Production Engineering (Sandwich) which will be of 4½ years. The teaching period will be divided in 8 semesters of approximately 15 weeks each but for Production Engineering (Sandwich) it will be 9 semesters of approximately 15 weeks each.

Provided that there will be one month's vocational training after second semester for *Bachelor of Production Engineering* (Sandwich course) as may be prescribed by the University.

8. A candidate will be allowed to join the fifth, sixth, seventh or eighth semester class only after he has passed in all subjects prescribed for the first, second, third or fourth semester, respectively. For *Bachelor of Production Engineering* (Sandwich) a candidate will be allowed to join ninth semester after he has cleared the fifth semester.

13. A detailed marks card will be issued for each semester. A candidate will be awarded the degree of *Bachelor of Engineering* on passing all the subjects prescribed for the degree.

14. (a) Title and (b) Regulations 1.2, 1.3, 3.1, 3.2, 3.3, 4.1, 11 and Transitory Regulations for Master of Science in Engineering & Master of Textiles examinations (Revised) at pages 345-349 of the Calendar, Volume II, 1981, shall read as under :

Master of Engineering (Master of Engg.) Chemical, Civil, Electrical, Mechanical and Electronics and *Master of Engineering in Textiles (Revised).*

(To come into force with effect from the admissions of July, 1974).

1.2 The duration of the course for the *Master of Engineering* examination in the case of a candidate who joins as a whole-time teacher in the University Department or a college affiliated to the University in the Faculty of Engineering & Technology or a working Engineer in a Department/Industry/Laboratory within the jurisdiction of the University, shall be a minimum of three academic years. The maximum period in which such a candidate must qualify for the degree shall be six academic years, failing which he shall not be allowed to continue his studies for the course. Provided that this limit shall not apply to the thesis for which the maximum period allowed shall be as given in Regulation 7.3(b).

1.3 The duration of the course for the degree of *Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles* examination in the case of a candidate who joins after obtaining the Post-Graduate Diploma in the branch selected for the *Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles* shall be one academic year. The maximum period in which such a candidate must qualify for *Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles* examination shall be two academic years failing which he shall not be allowed to continue his studies for the course. Provided that this limit shall not apply to the thesis for which the maximum period allowed shall be as given in Regulation 7.3(b).

Such a candidate may be granted exemption in the theory papers and sessionals in which he has already qualified in the post-Graduate Diploma examination.

3.1 A person holding the following qualifications shall be eligible for admission to the course for the degree of Master of Engineering/Master of Textiles :

- (i) *Bachelor of Engineering/Bachelor of Engg. in Textiles* degree with at least 50 per cent marks in the aggregate in the branch selected for the *Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles* degree course, from the Panjab University.

OR

- (ii) *Bachelor of Engineering/Bachelor of Engg. in Textiles* or other equivalent degree from another University in the branch selected for the *Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles* degree course, recognised by the Syndicate for purposes of admission to this course, with at least 50 per cent marks;

OR

- (iii) Post-Graduate Diploma in the Branch selected for the *Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles* course from the Panjab University or an equivalent Post-Graduate Diploma in the branch selected for *Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles* degree course, recognised by the Syndicate for purposes of admission to this course.

3.2 A whole-time teacher in the University Department or a college affiliated to the University for the *Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles* degree course or an Engineer working in a Department/Industry/Laboratory within the territory jurisdiction of the University may be allowed to join this course, on having obtained at least 50% marks in *Bachelor of Engineering/Bachelor of Engineering in Textiles* and on fulfilment of the conditions laid down in these Regulations. He shall register himself for the first semester examination before beginning to attend the lectures and sessional work etc. He shall, however, not be allowed to study for more than two theory papers in any semester.

3.3 A candidate who has qualified A.M.I.E. examination with at least 50% marks after having passed the Diploma examination with at least 60% marks and has at least 5 years' research or teaching or professional experience, may be admitted to *Master of Engineering* course provided he has passed the written and oral test as prescribed by the Head of the Department concerned.

4.1 A student who possesses the qualifications laid down in Regulation 3, has remained on the rolls of the University Department of Chemical Engineering & Technology or of a College affiliated to the University for Master of Engineering/Master of Engg. in Textiles Course in the branch of Engineering selected by him for the academic term of the semester concerned, and produces the following certificates signed by the Head of the University Department or by the Principal of the College, as the case may be, shall be eligible to appear in the examination of the semester :—

XXX

XXX

XXX

11. A person registered for Master of Engineering examination who obtains pass marks in eight theory papers, may be granted, if he so desires, Post-Graduate Diploma in Engineering, on the recommendation of the Principal of the College/Head of the Department last attended by him.

Transitory Regulation

The students admitted to the Master of Chemical Engineering course before 1974 will be governed under the old scheme, for two years after the normal date on which they were expected to complete the final examination.

15. Regulations 4 and 8 for Post-graduate Diploma Course in Civil, Mechanical, Electrical and Chemical Engineering examination at pages 337-338 of the Calendar Volume II, 1981, shall read as under :

4. A person holding one of the following qualifications shall be eligible for admission to the Post-Graduate Diploma Course in Engineering :

- (a) Bachelor of Engineering degree with at least 60 per cent marks in the aggregate in the branch selected for the Diploma course, from the Panjab University;
- (b) Bachelor of Engineering with at least 60 per cent marks in the aggregate or other equivalent degree from another University recognised by the Syndicate, for the purposes of admission to this course.

8. Every candidate shall be required to offer for examination 8 theory papers out of the list of papers approved by the Senate from time to time for Master of Engineering examination, selection of papers to be made on the advice of the Head of the Department, provided that no candidate shall be allowed to qualify in more than four papers at the end of the first semester of the course. In lieu of one theory paper, candidate may complete project work or dissertation if advised by the Head of the Department.

16. Regulations for B.Sc. Honours School in Anthropology, Biochemistry, Biophysics, Botany, Chemistry, Geology, Mathematics, Microbiology, Physics and Zoology (Revised), shall read as under :

1. The University shall undertake instruction for B.Sc. Hons. School Course in the following subjects :—

- (i) Anthropology
- (ii) Biochemistry
- (iii) Biophysics
- (iv) Botany
- (v) Chemistry
- (vi) Geology
- (vii) Mathematics
- (viii) Microbiology
- (ix) Physics
- (x) Zoology

The Syndicate shall, however, have authority to add or discontinue Honours School in any subject.

The duration of the course for B.Sc. Honours School degree shall be three years. There shall be two semesters in each year and six semesters for the whole course. First semester shall be from July to December and Second semester shall be from January to May.

2. A person who has passed one of the following examinations may be admitted to the B.Sc. Honours School course :—

- (i) Pre-Medical or Pre-Engineering of the Panjab University.
- (ii) Part I of the three year B.A./B.Sc. course of the Panjab University.
- (iii) Any other examination recognised by the Syndicate as equivalent to (i) or (ii).

Provided that he/she fulfils the requirements of the subjects studied as laid down by the respective Boards of Control.

3. Every student admitted to the B.Sc. Honours School Course shall be on the rolls of the University department of the major subject concerned and pay such fees to the University as the Syndicate may prescribe. The Dean of University Instruction may exempt any student for payment of tuition fees on the recommendation of the Chairman/Head of the Department within the prescribed period.

4.1 A Board of Control shall be appointed by the Syndicate in January every year and shall consist of :

1. The Chairman/Head of the Department in the subject of the School as Chairman;
2. The University Professors and Readers in the subject of the School;
3. Two University Lecturers on the recommendation of the Chairman/Head of the Department in the subject of the School (by rotation according to seniority) and;
4. One teacher from the Department in each subsidiary subject of the School.

4.2 Subject to the approval of the Dean of University Instruction, the Board of Control shall be the authority to admit students and to remove students from the Honours School or class in accordance with the rules laid down by the Academic Council.

4.3 Subject to the approval of Dean of University Instruction, the Board of Control shall be the authority to remove a student from the Honours School, in case of misconduct.

4.4 The Board of Control shall make recommendations to the Syndicate in all matters concerning the Honours School Course including syllabi and the appointment of examiners.

However, recommendations concerning syllabi shall be routed through the Faculty and the Academic Council.

5. The syllabi and courses of reading for the B.Sc. Honours School course shall be as approved by the Senate from time to time.

6.1 A student of Honours School shall choose :

- (i) Major subject
- (ii) Subsidiary courses
- (iii) English (For First year only).

6.2 The following is the list of subsidiary courses for different Honours Schools which may be offered by a student with the approval of the concerned Board of Control.

Each Board of Control may decide the number and type of subsidiary courses subject to the approval of Academic Council :

Hons. School	Subsidiary courses in
Anthropology	Biochemistry, Geology, Geography, Sociology, Zoology or Botany-cum-Zoology, Economics, Mathematics, Physics, Chemistry, Microbiology and Biophysics.

1	2
	<i>First year</i>
Bio-Chemistry	Chemistry, Botany-cum-Zoology, Mathematics, Physics, Microbiology and Biophysics.
	<i>Second Year</i>
	Chemistry, Biophysics, Botany, Zoology, Microbiology, Human Anatomy and Botany-cum-Zoology.
	<i>First Year</i>
Bio-Physics	Botany, Zoology, Mathematics, Physics and Chemistry.
	<i>Second Year</i>
	Biochemistry, Physics, Microbiology, Mathematics and Statistics.
Botany	Zoology, Chemistry, Physics, Geology, Bio-Chemistry, Bio-Physics, Microbiology, Anthropology and Statistics.
Chemistry	Physics, Botany, Geology, Mathematics, Zoology and Mathematics.
Geology	Mathematics, Physics, Chemistry, Geography, Botany, Zoology, Anthropology and Statistics.
Mathematics	Physics, Chemistry, Geology, Geography, Economics, Statistics, Philosophy and Computational Techniques.
	<i>First Year</i>
Microbiology	Chemistry, Botany-cum-Zoology, Mathematics and Physics.
	<i>Second Year</i>
	Bio-physics, Biochemistry, Botany, Zoology, Anthropology and Statistics.
Physics	Mathematics, Chemistry, Botany, Zoology, Biophysics, Computational Techniques and Geology.
Zoology	Botany, Chemistry, Geology, Bio-Chemistry, Biophysics, Microbiology, Anthropology and Statistics.

7. Every candidate for the B.Sc. Hons. School examination shall send his application through the Chairman/Head of the Deptt. accompanied by the following certificates :

- of good moral character;
 - of having attended at least 66 per cent of the total number of lectures and practicals separately in each course;* and
- *(A course means a paper in theory or practicals)
- of having passed the earlier examinations.

The Board of Control is empowered to condone shortage in attendance of lectures and practicals to the extent of 10 per cent lectures delivered in each course of theory and practicals.

8.1 The last dates by which admission forms and fees must reach the Registrar without and with late fee of Rs. 5 shall be fixed by the Syndicate.

8.2 The amount of the admission fee for each semester examination to be paid by a candidate shall be Rs. 45.

9.1 Examination in theory/practical shall be held at the end of each semester according to the scheme of examinations approved by the Academic Council.

9.2 The scheme of examinations shall be as follows :

First Year Honours School

	1st Semester		2nd Semester	
	Marks	Credits	Marks	Credits
Major Subjects	200	8	200	8
Subsidiary Courses	200	8	200	8
English	100	4	100	4
Additional subsidiary course for basic Medical Sciences	100	4	100	4

Second Year Honours School

	3rd Semester		4th Semester	
	Marks	Credits	Marks	Credits
Major subject	300	12	300	12
Subsidiary courses	200	8	200	8
Additional subsidiary courses	100	4	100	4

Third Year Honours School

	5th Semester		6th Semester	
	Marks	Credits	Marks	Credits
Major subject	500	20	500	20

(i) Total marks for B.Sc. Hons. School (except in Basic Medical Sciences) for three years : 3000 : No. of Credits=120.

(ii) Total marks for B.Sc. Honours School in Basic Medical Sciences=3400 No. of credits=136.
Note :—A paper carrying 100 marks has been assigned 4 credits.

10. The examinations conducted at the end of each semester will be only in those courses which have been offered in that semester i.e. 1st, 3rd & 5th semesters in December and 2nd, 4th and 6th semesters in May.

11. A student shall be permitted to the semester courses successively subject to the following conditions :

- The students are required to obtain 40 per cent marks, in each course of theory and practicals (Major, Subsidiary or English) for a pass in that course and to earn the number of credits assigned to that course.
- A student shall be allowed to join the second year of Honours school if he has earned a minimum of 24 credits in the first year (28 credits in the case of the Honours school students of Basic Medical Sciences) of the credits earned a minimum of 50 per cent credits must be in the major subject.
- A student shall be admitted to the third year of the Honours School if he has earned a minimum of 48 credits in the first two years (56 credits in the case of Honours School students of Basic Medical Sciences). However, he/she must have obtained at least 50 per cent of the credits assigned to the major subject for the first two years.
- A student who has not completed the maximum number of credits required to be completed in a year shall be allowed to clear the papers (in which

he has failed), when the examination for this course is given for the regular students. However, no student can take the Reappear Examination in more than 50 per cent of the number of papers he is normally required to take. For example, in the Third Semester, if the regular load of a student is 20 credits, he can take the re-appear examinations for not more than 10 credits of the first semester.

- (v) Having obtained 80 or more credits (96 or more in the case of students of Basic Medical Sciences) in the B.Sc. Honours School a candidate may seek the award of the B.Sc. pass degree in case he wishes to discontinue the Hons. School. The division in the case of such candidates shall be determined by the regulations as for the Honours School students taking into account the best of the 80 credits which he has obtained. The date of entry and leaving the Honours School shall be shown on the certificate of the Degree awarded to such candidates.
- (vi) For the purpose of determining the division, aggregate marks obtained by the candidate in all the six semester examinations for all the subjects (Major, subsidiaries and English) shall be taken into account.
- (vii) Notwithstanding the above conditions no student shall be allowed to spend more than a maximum of five years in the entire B.Sc. Hons. school. He must earn the stipulated number of credits required for the award of the degree within this period of five years.

12.1 The question papers shall be set jointly by the External and the Internal Examiners. In case there are more than one persons teaching the course, the Board of Control shall decide one of them to be the internal Examiner.

12.2 The evaluation shall be done by the External and the Internal Examiners. The answer-books shall first be evaluated by the External Examiner, who shall send these along with the awards list to the Internal Examiner with a copy of the awards list to the Registrar. These shall then be examined by the Internal Examiner. In case of any disagreement between the Internal and the External Examiners it would be resolved by the Internal Examiner in consultation with the External Examiner. If the difference between the two awards is not resolved, and the marks obtained by the candidate in a particular case differ up to 15 per cent of the maximum marks, the average of the 2 awards would be assigned to the candidate. In case the difference is more than 15 per cent it would be referred to a third examiner, and the average of the two best awards would be assigned to the candidate.

12.3 The re-evaluation of answer-books shall be permissible as per rules laid down by the University for re-evaluation from time to time.

13.1 The results will be tabulated and declared by the Registrar's office.

13.2 The successful candidates shall be classified into three divisions as under :—

- (i) Those who obtain 60 per cent or more of the total marks . . . First Division
- (ii) Those who obtain 50 per cent or more but below 60 per cent of the total marks. Second Division
- (iii) Those who obtain 40 per cent or more but less than 50 per cent of the total marks. Third Division.

14. The candidates shall be provided with the detailed marks cards of each semester. The degree shall indicate the division in which the candidate has passed the examination. The date of entry and leaving the Honours School shall also be shown on the Certificate.

17. Regulations for M.Sc. Honours School Examination (Revised), shall read as under :

1. The University shall undertake instruction for M.Sc. (Hons. School) course in the following subjects :

- 1. Anthropology
- 2. Botany
- 3. Chemistry
- 4. Geology
- 5. Mathematics
- 6. Physics
- 7. Zoology
- 8. Biochemistry
- 9. Biophysics
- 10. Microbiology

The Syndicate shall, however, have authority to add or discontinue Honours School in any subject.

The duration of the course for M.Sc. (Honours School) degree shall be one year comprising two semesters.

2. A person who has passed one of the following examinations, in the concerned subjects, may be admitted to the M.Sc. (Honours School) course :

- (i) B.Sc. (Hons. School) or Pre-M.Sc. Course examination of Panjab University.
- (ii) Any other examination recognised by the Syndicate as equivalent to (i) above.

3. Every student admitted to the M.Sc. Honours School course shall be on the rolls of the University department of the subject concerned for the First/Second semester and shall pay such fees to the University as the Syndicate may prescribe.

The Dean of University Instruction may exempt any student from payment of tuition fees on the recommendation of the Chairman/Head of the Department within the prescribed limit.

4.1 The Board of Control appointed for the B.Sc. (Honours School) shall act as the Board of Control for M.Sc. (Honours School) also.

4.2 Subject to the approval of the Dean of University Instruction, the Board of Control shall be the authority to admit students and it shall also have the authority to remove students from this course in accordance with the rules laid down by the Academic Council.

4.3 Subject to the approval of the Dean of University Instruction, the Board of Control shall be the authority to remove a student from the Honours School in case of misconduct.

4.4 The Board of Control may make recommendations to the Syndicate in all matters concerning the Honours School course including syllabi and the appointment of examiners. However, recommendations concerning syllabi shall be routed through the Faculty and the Academic Council.

5. The syllabi and courses of reading for the M.Sc. (Hons. School) courses shall be as approved by the Senate from time to time.

6. Every candidate for the M.Sc. (Honours School) examination shall send his application through the Chairman/Head of the Department accompanied by the following certificates :

- (i) (a) of good moral character;
- (b) of having been on the rolls of the University Department/affiliated college for the semester preceding the examination;
- (ii) of having attended at least 66 per cent of the total number of lectures and practicals separately in each course; and

*(A course means a paper in theory or practicals)

- (iii) in the case of dissertation, a certificate from the Supervisor, endorsed by the Chairman/Head of the Department, that the candidate has worked to his satisfaction.

The Board of Control is empowered to condone shortage in the attendance of lectures and practicals to the extent of 10 per cent in each course (theory or practicals).

7.1 The last dates by which the admission forms and fees must reach the Registrar without or with late fee of Rs. 5 shall be fixed by the Syndicate.

7.2 The amount of admission fee for each semester examination to be paid by a candidate shall be Rs. 60.

8. The examination shall be either by theory papers, practicals, viva voce or shall consist of *project report* containing the research work of the candidate and special papers in the subject of thesis as well as a viva voce, as permitted and determined by the Board of Control. For the former group of candidates Regulations 9, 10 and 11 shall be applicable. For the second group of candidates Regulation 14 shall be applicable.

9. The term of the two semesters shall be as under :

The First semester shall be from July to December, and the Second semester shall be from January to May.

10.1 Examinations for various courses shall be held at the end of each semester or as decided by the Board of Control (In case of *Project Reports*) according to scheme of examination approved by the Academic Council.

10.2 The total number of marks and credits for each semester examination shall be as follows :

Semester I	Semester II
Marks 500	Marks 500
Credits 20	Credits 20

The exact marks and credits (a paper of 100 marks will be assigned four credits) allotted for each paper will be decided by the Board of Control, keeping in view the number of lectures/practicals delivered for each paper.

10.3 The number of theory papers and practicals as well as the distribution of marks among theory papers, practicals, viva voce and field work, if any, shall be as given in the syllabi.

11.1 The question papers shall be set jointly by the External and the Internal Examiners. In case there are more than one persons teaching the course, the Board of Control shall decide one of them to be the Internal Examiner.

11.2 The evaluation shall be done by the External and the Internal Examiners. The answer books shall be first evaluated by the External Examiner, who will send these along with the awards to the Internal Examiner with a copy of the awards list to the Registrar. These would then be examined by the Internal Examiner. In case of any disagreement between the Internal and External Examiners it would be resolved by the Internal Examiner in consultation with the External Examiner. If the difference between the two awards is not resolved, and the marks obtained by the candidate in a particular case differ up to 15 per cent of the maximum marks, the average of the two awards would be assigned to the candidate. In case the difference is more than 15 per cent, it would be referred to a third examiner for evaluation and the average of the two best awards would be assigned to the candidate.

11.3 The re-evaluation of answer books shall be permissible as per rules laid down by the University from time to time.

12.1 The students are required to obtain 40 per cent marks for each course of theory and practicals for a pass in that course in each semester and to be able to earn the number of credits assigned to that course.

12.2 The Examination conducted at the end of each semester shall be only in those courses which have been offered in that semester. A student who has failed in course/s shall be eligible to clear the same in a supplementary examination on a date fixed by the Syndicate.

12.3 A student who does not clear all the papers within one year after completing the attendance requirements of the second semester shall be declared fail. This means that a

candidate shall be allowed to spend a maximum of two years in M. Sc. (Hons.) School.

12.4 The examination in practicals shall be held in each subject, as decided by the concerned Board of Control.

13. A candidate who has passed the M. Sc. Honours School examination from the Panjab University under the semester system may re-appear as a private candidate in a course/s he wishes to, with a view to improving his performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of 5 years from the date of his passing the degree course. The candidate in the first instance shall be required to intimate all the courses in which he would like to improve his performances. He will then appear in the respective course/s at the main semester examination i.e. for the courses offered for First semester in the November/December examination and for the Second semester in April/May examination. If he does not improve his performance, in any course/s, he shall be eligible to do so in the following year in the semester examination concerned which would be treated as second chance. The candidate shall be charged Rs. 25 for each course, subject to the maximum admission fee prescribed for the semester concerned.

13.1 The results will be tabulated and declared by the Registrar's office.

13.2 The successful candidates will be classified into three divisions as under :—

- (i) Those who obtain 60 per cent or more of the total marks. . . First Division.
- (ii) Those who obtain 50 per cent or more but less than 60 per cent of the total marks. . . Second Division.
- (iii) Those who obtain 40 per cent and less than 50 per cent of the total marks. . . Third Division.

14(a) In case of a student who is allowed the option of submitting a *project report* as a partial fulfilment of the requirements for the M.Sc. (Hons. School), degree the distribution of marks among the *project report*, special papers and viva voce shall be as given in the syllabus.

(b) The *project report* is required to be evaluated by examiners, External and Internal (Supervisor). However, the marks to be awarded by the two examiners separately would be decided upon at the time of the viva voce examination which would be conducted by the Board of Examiners consisting of External, Internal Examiner (Supervisor) and Head of the Department. In case the Head of the Department happens to be the Internal examiner (Supervisor) for the *project report* then the next senior person of the Department would be included for conducting the viva voce examination.

(c) The candidate shall ordinarily submit the *project report* at the end of one year (July 31). Extension upto 6 months may be granted by the Dean of University Instruction, if required by the student and recommended by the Supervisor and the Chairman/Head of the Department. Further extension of six months will be given under exceptional circumstances.

18. Regulations for Master of Science (Semester System) examination (Revised), shall read as under :

1.1 There shall be an Examination for the degree of Master of Science in the subjects of Anthropology, Botany, Chemistry, Mathematics and Physics and any other subject as decided by the Syndicate from time to time.

1.2 The duration of the course shall be two years. There will be two semesters for each year and four semesters for the whole course.

2. A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join M.Sc. (Semester System).

Anthropology

P.A. or B.Sc. examination of the Panjab University or any other examination recognised by the Syndicate as equivalent thereto.

Botany

B.A./B.Sc. pass with Botany having at least 50% marks in the aggregate, of the Panjab University or from any other University recognised by the Syndicate as equivalent thereto.

Physics and Chemistry

- (a) B.Sc. Examination of the Panjab University securing at least 50% marks, with Chemistry, Physics and Mathematics for M.Sc. Chemistry and with Physics, Mathematics and any one of the following subjects for M.Sc. Physics :

Bio-Chemistry, Botany, Chemistry, English, Biophysics, Geology, Statistics, Zoology, Electronics & Life Sciences, as decided by the Board of Post-graduate studies.

- (b) B.Sc. Pass Degree under the old B.Sc. Honours School regulations awarded by the Syndicate on the recommendation of the Board of Control in the subject of M.Sc. Course.
- (c) B.Sc. examination with 50 per cent marks in aggregate from any other University recognised by the Syndicate as equivalent to (a).
- (d) B.Sc. (Honours) examination of Panjab University or of any other University (recognised as equivalent thereto) in the subject to M.Sc. course.

Mathematics

- (i) (a) B.Sc. Honours School in Mathematics of the Panjab University.
- (b) B.A./B.Sc. with Honours in Mathematics of the Panjab University or from any other University recognised by the Syndicate as equivalent thereto.
- (c) B.A./B.Sc. (Pass) with Mathematics having either at least 50 per cent marks in the aggregate or at least 45 per cent in Mathematics of the Panjab University or from any other University recognised by the Syndicate as equivalent thereto.

- (ii) The M.Sc. examination in Mathematics shall be open to a person permitted under the regulations relating to private candidates, if he is otherwise eligible.

3. Every student admitted to the M.Sc. course shall be on the rolls of the University Department or an affiliated college, duly approved by the appropriate body of the University for such teaching in the subject concerned, and pay such fees to the University as the Syndicate may prescribe. The Dean of University Instruction* may exempt any student from payment of tuition fees on the recommendation of the Chairman/Head of the Department within the prescribed period.

4.1 A Board of *Control shall be appointed by the Syndicate in January every year and shall consist of :

1. The Chairman/Head of the Department in the subject of the School as Chairman;
2. The University Professors and Readers in the subject of the School;
3. Two University Lecturers on the recommendation of the Chairman/Head of the Department in the subject of the School (by rotation according to seniority).

4.2 A Board of Post-Graduate Studies shall be constituted by the Syndicate as per rules from time to time.

4.3 Subject to the approval of the Dean of the University Instruction, the Board of Control shall be the authority to admit students and to remove students from the M.Sc. Course in accordance with the rules laid down by the Academic Council.

4.4 Subject to the approval of Dean of University Instruction, the Board of Control shall be the authority to remove a student from the Course in case of misconduct.

*In the case of students taking instruction in a College they will be governed by the college Rules as in force from time to time.

4.5 The Board of Post-Graduate Studies shall make recommendations to the Syndicate concerning the syllabi and the appointment of examiners.

The recommendations regarding syllabi shall be routed through the Faculty and the Academic Council.

5. The syllabi and courses of reading for the M.Sc. (Semester system) course shall be as approved by the Senate from time to time.

6. The medium of examination shall be English.

7. Every candidate for the M.Sc. examination shall send his application through the Chairman/Head of the Department or the Principal of the college, as the case may be accompanied by the following certificate;

- (a) of having good moral character;
- (b) of having; attended atleast 66 per cent of the total number of lectures delivered and practicals conducted separately for each course; and
- (c) of having passed the earlier examination.

The Board of Control or the Principal of the college, as the case may be, is empowered to condone shortage in attendance of lectures and practicals to the extent of 10 per cent of the lectures delivered for each course of theory or practicals.

8.1 The last dates by which admission forms and fees must reach the Registrar without and with late fee of Rs. 5/- shall be fixed by the Syndicate.

8.2 The amount of the admission fee for each semester examination to be paid by a candidates shall be Rs. 60/-.

9.1 Examination in the theory papers/practicals shall be held at the end of each semester according to the scheme of examination approved by the Academic Council.

9.2 The scheme of examination shall be as follows :

First Year of M.Sc.

1st Semester		2nd Semester	
Marks	No. of Credits	Marks	No. of Credits
500	20	500	20

Second Year of M.Sc.

3rd Semester		4th Semester	
Marks	No. of Credits	Marks	No. of Credits
500	20	500	20

10. The examinations shall be conducted at the end of each semester in only those courses which have been offered in that semester i.e., 1st and 3rd semesters in December and 2nd and 4th semester in May.

11. A student shall be permitted to the semester courses successively subject to the following conditions :—

- (i) He is required to obtain 40 per cent marks, in each course of theory and practicals for a pass in that course and to earn the number of credits assigned to that course.
- (ii) He shall be allowed to join the second year M.Sc. course if he has earned a minimum of 20 credits in the first year.
- (iii) A candidate who has not completed the maximum number of credits required to be completed in a year shall be allowed to clear the paper/s (in which he has failed) when the examination for this course is given for the regular students. However, no student can take the reappear examination in more than 50 per cent of the number of papers he is normally required to take. For example, in the Third semester, if the regular load of a student is 20 credits, he can take the re-appear examination for not more than 10 credits of the first semester.

Notwithstanding the above conditions, no student shall be allowed to spend more than a maximum of three years in the M.Sc. classes. He must earn the stipulated number of credits for the award of the degree within this period of three years.

12.1 The question papers will be set by the External and the Internal Examiners. In case there are more than one persons teaching the course, the Board of Post-graduate Studies shall decide one of them to be the internal examiner.

12.2 The evaluation shall be done by the External and the Internal Examiners. The answer books shall be first evaluated by the External Examiner, who shall send these alongwith the awards to the Internal Examiner with a copy of the award list to the Registrar. These shall then be examined by the Internal Examiner. In case of any disagreement between the Internal and the External Examiners, it shall be resolved by the Internal Examiner in consultation with the external examiner. If the difference between the two awards is not resolved and the marks obtained by the candidate in a particular case differ upto 15 per cent of the maximum marks assigned to the paper the average of the two awards would be assigned to the candidate. In case the difference is more than 15 per cent, it would be referred to a third examiner for evaluation and the average of the two best awards would be assigned to the candidate.

12.3 In the case of thesis/project reports approved by Board of Post-graduate studies, the evaluation shall be governed by the regulations as apply to the M.Sc. Hons. School.

12.4 The re-evaluation of answerbooks shall be permissible as per rules laid down by the University from time to time.

13. The results will be tabulated and declared by the office of the Registrar.

14. The successful candidates shall be classified into three divisions as under:—

- (a) Those who obtain 60 per cent or more of the total marks . . . First Division.
- (b) Those who obtain 50 per cent or more but below 60 per cent of the total marks . . . Second Division.
- (c) Those who obtain 40 per cent and less than 50 per cent of the total marks . . . Third Division.

15. The candidate shall be provided with the detailed marks cards of each semester. The degree shall indicate the division in which the candidate has passed the examination. The dates of entry and leaving the course shall be shown on the certificate.

16. A candidate who has passed the M.Sc. (2-year course) examination from the Panjab University under the semester system may reappear as a private candidate in a course/s he wishes to, with a view to improving his performance. For this purpose, he may be given two chances within a period of 5 years from the date of his passing the degree course. The candidate in the first instance, shall be required to intimate all the courses in which he would like to improve his performance. He will then appear in the respective course/s at the main semester examination i.e. for the courses offered for First and Third semesters in the November/December examination and for the Second and Fourth semesters in April/May examination.

If he does not improve his performance, in any course/s he shall be eligible to do so in the following year in the semester examination concerned which would be treated as a second chance. The candidate shall be charged Rs. 25 for each course, subject to the maximum admission fee prescribed for the semester concerned.

19. Regulations for Master of Arts/Science examinations (Semester System) (Revised), shall read as under :

1. Under the Semester System, each academic year shall consist of two semesters. First Semester shall be from July to December and second semester shall be from January to May. The instructional period for each semester will extend over a period of 16 weeks followed by preparatory holidays for a week, and then the semester examination.

2. To qualify for the award of an M.A./M.Sc. degree in each subject taught under the Semester System, a candidate shall be required to complete successfully course work of 64 credits in the major and allied subjects, with the provision that not less than 2/3 credits shall be in the major subject and the programme of each candidate will be subject to the approval of the Postgraduate Board of Studies/Board of Control.

A candidate who has passed B.Sc. Honours School in Mathematics/M.Sc. Honours School in Mathematics or M.A./M.Sc. in Mathematics examination with at least 5 per cent marks may be granted exemption by the Board of Control in Statistics to the extent of maximum of 16 credits in the course work for M.Sc. Examination in Statistics. The final assessment in the M.Sc. Statistics examination for such a candidate shall be based on his performance in the course actually taken by him.

Exemption in a particular paper prescribed for the M.Sc. Statistics Examination may be granted to a candidate who has obtained at least 50 per cent marks in the corresponding paper in B.Sc. Honours School in Mathematics/M.Sc. Honours School in Mathematics or M.A./M.Sc. in Mathematics Examination.

3. The credit value of the courses need not be uniform in all cases. A course may be 2, 3, 4 or more credits depending upon the quantum of work to be done in it. A 4 credit course will normally involve 4 hours of instruction including tutorial work/seminar in a week. The credits to be allotted to a dissertation may be decided by the Postgraduate Board of Studies/Board of Control subject to a maximum of 8 credits.

4. The normal work load of a student during a semester will be of 6 credits. However, the Postgraduate Board of Studies/Board of Control may permit in exceptional cases a minimum work load of 12 and a maximum of 20 credits depending upon the capability of a student. The merit list shall be prepared at the end of the normal period of the course, i.e. two years. It shall not affect the position of a candidate if he fails in a course/s or failed to appear in a course/s but cleared it in the next semester/s within the normal period of two years.

5. Every department would announce in advance the courses it would offer in each of the semesters during the following two academic years, enabling the students to adjust their programme of study in such a way that they are able to take up, in addition to the compulsory courses, as many courses of their choice as possible. The quantum of compulsory course work will be decided by Board of Postgraduate Studies.

6. A student who has obtained 50 per cent of marks during the preceding semesters shall be eligible to take up dissertation wherever there is provision for the dissertation in the courses of study.

7. To qualify for the grant of credits for a particular course, a candidate must get at least the pass marks. If he fails in the course, he will not get credit for it. He may repeat the course as a regular student in which he has failed when it is offered next. He may also be allowed to take the examination for such a course without attending the classes.

If at the end of the second semester his successfully completed courses remain less than 16 credits, he will not be allowed to join the third semester. At the end of the third semester he must have successfully completed 24 credits to enable him to join fourth semester.

8. The assessment for each course will be on the basis of University examination at the end of each semester. The University examination will be held according to the outlines of tests, syllabi and courses of reading approved by the Academic Council from time to time.

9. The University will maintain a separate official transcript of each candidate, mentioning the courses taken, credit value of each course and marks obtained.

10. The examination for M.A./M.Sc. degree under the Semester System shall be held in the subjects approved by the Academic Council from time to time.

11.1 A person who has passed one of the following examinations from the Panjab University or an examination recognised by the Syndicate as equivalent thereto, shall be eligible to join the M.A. degree course, other than in Physical Education :—

- (i) A Bachelor's degree obtaining at least 45 per cent marks in the subject of Postgraduate course, or 50 per cent marks in the aggregate.
- (ii) B.A. with Honours in the subject of the Postgraduate course or B.Sc. Hons. School course.

(iii) Master's degree examination in any other subject. Provided that—

- (a) for the Public Administration course, a person who has passed one of the following examinations shall also be eligible—

B.A. (Pass) with 45 per cent marks in political Science or economics or Sociology or Psychology or History.

- (b) For the Ancient Indian History Culture and Archaeology course, a person who has passed B.A./B.Sc. examination with Philosophy or Political Science or Art or Music or Modern Indian Language or Geography or Mathematics or Sanskrit or Sociology or History or Public Administration, or Economics or Psychology or Physics or Chemistry or Geology, or Zoology or Botany obtaining at least 45 per cent marks shall also be eligible.

- (c) For the Psychology course, a person who has passed the B.A. (2 Year Course) examination with Philosophy as one of his subjects, obtaining 45 per cent marks in both the papers of Philosophy or in the Psychology paper alone or a person who has passed B.A. (3-Year Course) examination obtaining 45 per cent marks in the subject of Philosophy, shall also be eligible.

- (d) For the Geography Course, a candidate shall be eligible only if—

- (i) he has passed in Geography in the B.A. or B. Sc. examination obtaining at least 45 per cent marks; or

- (ii) has obtained Postgraduate diploma in Geography in at least second division.

- (e) For M.Sc. Statistics course, a candidate shall be eligible only if he has passed B.A./B.Sc. with Mathematics/Statistics obtaining at least 45 per cent marks.

- (f) For the subject of Philosophy, a person who has passed B.A. with 45 per cent marks in Psychology, Political Science, Economics, Sociology, Mathematics or Physics shall also be eligible.

Explanatory note : 67 marks out of 150 shall be accepted as 45 per cent marks in the subject of Postgraduate course.

11.2 (a) For the Physical Education course :

A person who has passed one of the following examinations shall be eligible to join:—

- (i) Degree of Bachelor of Physical Education of the Panjab University with at least 45% marks in the aggregate;
- (ii) Postgraduate Diploma in Physical Education of the Panjab University with at least 45% marks in the aggregate;
- (iii) (a) A degree of the Panjab University with at least 45 per cent marks in the aggregate if he has taken part in the Inter-University or Inter-State or National Tournaments in the games and sports recognised by the Inter-University Sports Control Board.

- (b) A person holding B.Sc. degree of the Panjab University with at least 45 per cent marks in the aggregate if he has taken part in the Inter-College games and sports recognised by the Inter-University Sports Control Board;

Preference will be given to those who have taken Physical Education as an elective subject.

- (iv) Any other qualification recognised by the Syndicate as equivalent to (i), (ii) and (iii).

Provided that candidates admitted under any of the clauses (i) to (iv) qualifies in the Standard Efficiency Test at the time of admission to this course, except those who obtain 50 per cent or above marks in the B.P.Ed. examination of Panjab University.

- (b) A person who has obtained after graduation, a post-graduate one year Diploma or Degree in Physical Education from Panjab University or a recognised University or a State government or a Board set up by the Government and has attended during 1st and 2nd Semester preceding examination, a training course of practical lesson for at least three weeks in each semester in the University Department of Physical Education, may also be allowed to appear in 1st and 2nd Semester examinations provided he is in service in an educational institution or a government department in the profession of Physical Education. It shall, however, be necessary for such a person to join the University Physical Education Department for subsequent semesters to complete the course.

12.1 The examination for each semester shall be open to a candidate, who fulfils the requirements of qualification as laid down in Regulations 11.1 and 11.2 and produces the following certificates from the Chairman/Head of the University Department/Principal of the College as the case may be that he—

- (i) has been on the rolls of the Department/College for the semester preceding the examination;

- (ii) has attended at least 66 per cent of the lectures, seminars, tutorials etc., for each course, during the semester.

12.2 A deficiency in the prescribed number of lectures, seminars, tutorials, etc. up to 10 per cent may be condoned by the Chairman/Head of the University Department/Principal of the College as the case may be in consultation with the relevant Committee for each course of theory and practical.

12.3 A candidate who does not fulfil the attendance requirement for any course will have to repeat the instruction in that course when it is offered next, if he requires credit for that.

12.4 A candidate shall submit his examination form for each semester examination to the Registrar, six weeks before the examination without late fee and four weeks before the examination with a late fee of Rs. 5, alongwith the required certificate duly countersigned by the Chairman/Head of the University Department/Principal of the College as the case may be.

Three days of grace may be allowed after the last date without late fee.

12.5 The amount of examination fee to be paid by a candidate for each semester shall be Rs. 50.

12.6 A candidate on reappearing shall pay examination fee of Rs. 25/- per paper in each semester examination subject to a maximum of Rs. 50 and the examination fee for reappear would be in addition to the examination fee charged for other semester examination, if any, in which he was appearing.

13. The medium of examination shall be English.

14. A candidate shall be deemed to have passed the examination if he obtains :

- (a) 33 per cent marks in each course.
- (b) 40 per cent marks in the aggregate.

Each candidate shall be required to contain pass marks in each course of theory and practical separately for each semester.

15. Four weeks after the termination of the examination, or as soon as possible, the Registrar shall publish the result of the candidate.

16. The successful candidates shall be classified into three Divisions as under:—

- (a) First Division . . . Those who obtain 60 per cent or more of the aggregate marks of all semester examinations, taken together.
- (b) Second Division . . . Those who obtain 50 per cent or more but less than 60 per cent of the aggregate marks of all semester examinations taken together.
- (c) Third Division . . . Those who obtain 40 per cent but less than 50 per cent of the aggregate marks of all semester examinations, taken together.

17. A candidate who has passed the M.A./M.Sc. examination from the Panjab University under the semester system may reappear as a private candidate in a course/courses he wishes to, with a view to improving his performance. For

this purpose, he may be given two attempts of 5 years from the date of his first attempt. The candidate in the first attempt must attempt all the courses in which he has failed. He will then appear in the second attempt at the main semester examination, i.e. for First and Third semesters in the November examination and for the Second and Fourth semesters in the May examination. If he does not pass in any course/s, he shall be eligible to appear in the semester examination concerned as a second chance. The candidate shall pay Rs. 25 for each course, subject to the maximum admission fee prescribed for the semester concerned.

18. The result of the candidate shall be declared only if he improves his performance.

19. A candidate who has already passed the M.A. examination under the old Regulations shall not be allowed to appear privately under the semester system for improvement of his performance. He may appear for improvement of his performance under the old Regulations within the prescribed period.

Sd. ILLEGIBLE

Deputy Registrar (General)

Chandigarh-160014

Dated : December 2, 1983.

Scaled in my presence with the Common Seal of Panjab University this day the 2nd December, 1983.

D. P. VERMA
Registrar

